सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

नाम कृषक– दफ्तर सिंह पंवार
पिता का नाम– श्री गुलाब सिंह
गॉव–खेडमी, पोस्ट–गडूगाड
तहसील–मोरी, उत्तरकाशी।

मैने आज से 20 साल पूर्व कृषकों की उन्नति के बारे में पढा, जिससे कि मुझे कृषि करने की इच्छा उगने लगी। फिर मेरे मन में विचार आयें कि कृषि करने के लिये कौन सी फसल सफलता तक पहुॅचायेगी इसमें मुझे सेब के बारे में बहुत कुछ सुना की कृषक के लिये सेब उगाना अच्छा व्यवसाय है और मैने (हिमाचल) से सेब की पौधे मंगाकर एक अच्छा सा बगीचा लगाया। जिसमें कि 600 पौधे लगाकर जानकारी हर व्यक्ति से ली, दिन प्रतिदिन केन्द्र से हर प्रकार की जानकारी ली एवं दवाइयाँ भी लेनी शुरू की। तथा हर प्रकार के पौधे लेते रहा और जो कि हमारा मार्ग–दर्शन केन्द्र बना है। इस केन्द्र के बलबूते में आज अपने लगाये पौधों से फसल भी ले रहा हूॅ। करीब 200 पेटी सेब बना पिछले समय अप्रैल में इस समय भी कुछ उम्मीद है कि 150 पेटी का मोटा एव्रेज लगा रखा है, लेकिन रोड से 2 किमी0 की दूरी पर बगीचा है। उतार काफी कठिनाईयों से पडता है समय पर खच्चर भी नहीं मिल पाती है। इसलियें सेब खराब हो जाता है। 15+20 दिन उतारने में रात दिन काम करने से फिर गाडी आदि की व्यवस्था करने में मन्डी में अच्छे दाम नहीं मिलते है लेकिन उद्यान केन्द्र, मोरी से हर प्रकार की जानकारी प्राप्त करके में आज अपना जीवन सेब की फसल से यापन कर रहा हूॅ।

श्री दफ्तर सिंह पवार
गॉव–खेडमी, पोस्ट–गडूगाड
तहसील–मोरी, उत्तरकाशी।